



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 7 सितम्बर, 1981/16 भाद्रपद, 1903

हिमाचल प्रदेश सरकार

वन खेती एवं परिवेश संरक्षण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 16 अप्रैल, 1981

संख्या एफ०टी०एस०(ई) 3-2/81.—हिमाचल प्रदेश बिरोजा तथा बिरोजा उत्पाद (व्यापार विनियमन) अध्यादेश, 1981 (1981 का अध्यादेश संख्या 1) की धारा 19 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, सहर्ष नियम बनाते हैं:—

## हिमाचल प्रदेश बिरोजा तथा बिरोजा उत्पाद (व्यापार विनियमन) नियम, 1981

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ । 1. (1) ये नियम हिमाचल प्रदेश बिरोजा तथा बिरोजा उत्पाद (व्यापार विनियमन) नियम, 1981 होंगे ।

(2) ये नियम 13 फरवरी, 1981 से प्रवृत्त होंगे ।

परिभाषाएं 2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (1) "अध्यादेश" से हिमाचल प्रदेश बिरोजा तथा बिरोजा उत्पाद (व्यापार विनियमन) अध्यादेश, 1981 अभिप्रेत है;
- (2) "वन मण्डलाधिकारी" से क्षेत्रीय वन-मण्डल के प्रभारी वनाधिकारी अभिप्रेत है;
- (3) "प्रबन्ध निदेशक" से हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम के प्रबन्ध निदेशक अभिप्रेत है;
- (4) "वन निर्यात पड़ताल चौकी" से भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 41 के अधीन स्थापित की गई पड़ताल चौकी अभिप्रेत है;
- (5) "प्रपत्र" से इन नियमों से संलग्न प्रपत्र अभिप्रेत है;
- (6) "बिरोजा उत्पाद के विनिर्माता" के अन्तर्गत बिरोजा उत्पादों के निर्माण हेतु कारखाने का स्वामित्व रखने वाला कोई व्यक्ति है;
- (7) "धारा" से अध्यादेश की कोई धारा अभिप्रेत है;
- (8) ऐसे अन्य सब शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वे ही अर्थ होंगे जो अध्यादेश में उनके हैं ।

अधिकृत अधिकारी और सक्षम अधिकारी । 3. (1) इन नियमों से संलग्न अनुसूची में उल्लिखित अधिकारी, उनमें प्रत्येक के समक्ष दिए गए प्रयोजनार्थ प्राधिकृत अधिकारी होंगे ।

(2) सहायक अरण्यपाल भी धारा 8 के प्रयोजनार्थ सक्षम अधिकारी होगा ।

बिरोजा के विक्रय, क्रय और परिवहन पर प्रति-बन्ध । 4. (1) धारा 4 के खण्ड (ड) के अधीन अनुज्ञापत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र बिरोजा प्रपत्र संख्या 1 में दिया जाएगा और वन मण्डलाधिकारी को भेजा जाएगा जो, ऐसी जांच करने पर जैसी वह उचित समझे, बिरोजा प्रपत्र सं० 2 में अनुज्ञापत्र जारी करेगा :

परन्तु जहां वन मण्डलाधिकारी के पास ऐसे विश्वास करने के कारण हैं कि—

- (i) प्रार्थी द्वारा राज्य सरकार या उसके प्राधिकृत अधिकारी से खरीदे गए बिरोजे की मात्रा से निर्मित बिरोजा उत्पाद, बिरोजे की ऐसी मात्रा से निर्मित किए जाने से अधिक है, या
- (ii) प्रार्थी द्वारा प्राप्त किया गया बिरोजा अनाधिकृत स्रोतों से था, तो वह प्रार्थना-पत्र को आंशिक रूप से या पूर्णतः अस्वीकृत कर सकता है ।

(2) बिरोजा उत्पादक, जिससे सम्बन्धित अनुज्ञापत्र हेतु आवेदन-पत्र उप-नियम (1) के अधीन अस्वीकृत किया गया है, आवेदक को सुनवाई का अवसर प्रदान किए जाने के पश्चात्, सम्बन्धित वन मण्डलाधिकारी के द्वारा कब्जे में अभिग्रहण किया जा सकता है ।

(3) उप-नियम (2) के अधीन वन मण्डलाधिकारी द्वारा किए गए आदेश से व्यथित कोई व्यक्ति उप-नियम (1) के अधीन अस्वीकृति आदेश की तिथि से तीन दिन के भीतर सम्बन्धित एकक के अरण्यपाल को अपील कर सकता है, और अरण्यपाल का आदेश अन्तिम होगा।

5. वन मण्डलाधिकारी द्वारा विरोजा प्रपत्र 2 में अनुज्ञापत्र जारी किए जाने पर, अनुज्ञापत्र-धारी उस परिक्षेत्राधिकारी से, जिसके क्षेत्राधिकार में विरोजा उत्पादों के निर्माण का स्थान स्थित है, अधिप्रमाणित समनुषंगी अनुज्ञापत्र प्रपत्र (विरोजा प्रपत्र 3) प्राप्त करेगा और निम्नलिखित शर्तों के अधीन समनुषंगी अनुज्ञापत्र को स्वयं उचित रूप से भरने और जारी करने के लिए जिम्मेदार होगा:—

- (क) विरोजा उत्पाद का प्रत्येक प्रेषण जो सड़क, रेल, जलमार्ग या वायुमार्ग द्वारा परिवहन के किसी भी स्वरूप द्वारा हो, संचलन के समय समनुषंगी अनुज्ञापत्र से संलग्न होगा।
- (ख) विरोजा उत्पाद का परिवहन केवल अनुज्ञापत्र में विनिर्दिष्ट मार्ग द्वारा ही किया जाएगा और एकक के भीतर प्रत्येक वन निर्धारित-पड़ताल चौकी पर निरीक्षण हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।
- (ग) परिक्षेत्राधिकारी की लिखित आज्ञा के बिना विरोजा उत्पाद का एकक में सूर्यास्त के पश्चात् और सूर्योदय से पूर्व परिवहन नहीं किया जाएगा।
- (घ) सभी समनुषंगी अनुज्ञापत्र विरोजा उत्पाद के परिवहन के पश्चात् या उसमें उल्लिखित अवधि के समाप्त होने के पश्चात्, जो भी शीघ्र हो, एकक के निकटतम परिक्षेत्राधिकारी को 15 दिन के भीतर लौटाए जायेंगे।

6. धारा 5 की उपधारा (1) के अधीन विरोजे के विक्रय और/या परिवहन हेतु अनुज्ञापत्र निम्नलिखित प्रकार का होगा:—

विक्रय, परिवहन आदि हेतु अनुज्ञापत्र।

अनुज्ञापत्र का प्रयोजन

अनुज्ञापत्र प्रपत्र संख्या

- (क) अध्यादेश के प्रारम्भ होने से पूर्व राज्य सरकार या किसी प्राधिकृत अधिकारी से अन्य किसी व्यक्ति से संग्रहित किये गए विरोजे के विक्रय, क्रय हेतु और उसका परिवहन करने हेतु। विरोजा प्रपत्र 4

- (ख) (i) राज्य सरकार या किसी प्राधिकृत अधिकारी से विरोजा उत्पाद के निर्माण हेतु क्रय किए गए विरोजे के परिवहन हेतु। विरोजा प्रपत्र 5

- (ii) राज्य सरकार या किसी प्राधिकृत अधिकारी से विरोजा उत्पाद के निर्माण हेतु क्रय किए गए, विरोजे से विरोजा उत्पाद के निर्माण में अप्रयुक्त विरोजे के परिवहन और/या विक्रय हेतु। विरोजा प्रपत्र 5

अनुज्ञापत्र का प्रयोजन

अनुज्ञापत्र प्रपत्र संख्या

(ग) हिमाचल प्रदेश से बाहर कय किए गए बिरोजे का राज्य के भीतर किसी स्थान पर बिरोजा उत्पादों के निर्माण हेतु परिवहन के लिए या पुनः हिमाचल प्रदेश से बाहर अन्यत्र बिरोजा के परिवहन हेतु।

बिरोजा प्रपत्र 6

7. (1) नियम 6 के खण्ड (क) से (ग) के अधीन अनुज्ञापत्र हेतु प्रत्येक आवेदन यथास्थिति, जैसा भी केस हो, बिरोजा प्रपत्र 4 क, 5 क, 6 क में होगा।

(2) प्राधिकृत अधिकारी, ऐसी जांच पड़ताल करने के पश्चात् जैसी वह आवश्यक समझे और कारणों को अभिलिखित करके उप-नियम (1) में निर्दिष्ट आवेदन-पत्र को, पूर्णतः या आंशिक रूप में अस्वीकृत कर सकता है।

(3) उप-नियम (2) के अधीन किए गए अस्वीकृति आदेश से व्यथित कोई व्यक्ति सम्बन्धित एकक के अरण्यपाल को अपील कर सकता है और नियम 4(3) के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तन सहित प्रत्येक ऐसी अपील को लागू होंगे।

8. (1) जहां अनुज्ञापत्र नियम 6 और 7 के अनुसार जारी किया गया हो और अनुज्ञापत्रधारी अनुज्ञापत्र में विनिर्दिष्ट मात्रा को विभिन्न प्रेषणों और विभिन्न वाहनों द्वारा निर्यात करना चाहता हो तो सम्बन्धित परिक्षेवाधिकारी या डिपो अधिकारी प्रत्येक ऐसे प्रेषण या वाहन के लिए आवश्यक चालान जारी करेगा।

(2) नियम 5 के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तन सहित उप-नियम (1) के अधीन जारी किए गए चालान को लागू होंगे।

समिति के कार्य को संचालित करने की प्रक्रिया द्वारा 6.

9. (1) राज्य सरकार धारा 6 के अधीन गठित की गई सलाहकार समितियों के सदस्यों के नाम शासकीय राजपत्र में प्रकाशित करेगी। प्रत्येक ऐसी समिति हेतु एक अध्यक्ष और एक संयोजक होगा।

(2) समिति की प्रत्येक बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष द्वारा उसकी अनुपस्थिति में संयोजक द्वारा की जायेगी। यदि अध्यक्ष और संयोजक दोनों ही अनुपस्थित हों तो उपस्थित सदस्यगण उपस्थित सदस्या में से एक को अध्यक्ष के रूप में चुनेंगे और बैठक करेंगे।

(3) सलाहकार समिति सामान्यतः अपनी बैठक उस एकक के मुख्यालय में ही करेगी जिसके लिए वह गठित की गई है।

(4) संयोजक अध्यक्ष के अनुमोदन से, समिति की तिथि, समय और बैठक का स्थान निश्चित करेगा और उसे समिति के समस्त सदस्यों को लिखित रूप में सूचित करेगा।

(5) सलाहकार समिति के चार सदस्य गणपूर्ति करेंगे।

(6) कार्यवाहियों के कार्यवृत्त लेखबद्ध किए जायेंगे और वे अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति द्वारा अनुमोदित किए जायेंगे। ऐसे अनुमोदन को समिति की सिफारिशों की अधिप्रमाणिकता का अन्तिम सबूत माना जायेगा।

10. (1) सलाहकार समिति की सलाह राज्य सरकार को, उच्च सम्बन्ध में राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट तिथि को या उससे पूर्व, सम्प्रेषित की जायेगी।

(2) बैठक के कार्यवृत्त की एक प्रति उक्त सलाह के संग निरपवाद रूप से भेजी जाएगी।

11. (1) धारा 8 की उपधारा (2) के अधीन परिवाद प्राप्त करने पर वन-मण्डल अधिकारी या सम्बन्धित सहायक अरण्यपाल यथा सम्भव शीघ्र परिवादी को जांच करने हेतु नियत किए गए स्थान, तिथि और समय की सूचना देगा।

(2) नियत की गई तिथि को या पश्चात्पूर्वी तिथि को, जिसको जांच स्थगित की गई हो, उप-नियम (1) में निर्दिष्ट किए गए अधिकारी, परिवादी या उसके विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि को सुनने के पश्चात्, और ऐसी आगामी जांच करने के पश्चात् जैसी वह आवश्यक समझे, धारा 8 की उपधारा (3) और (4) के अनुसार आवश्यक आदेश दे सकते हैं।

(3) जहां धारा 8(1) के परन्तुक के अधीन विक्रय हेतु प्रस्तुत विरोधों के लिए इनकार किया गया हो और उपनियम (1) में निर्दिष्ट अधिकारी यह पाता है कि—

(क) विरोध क्रय करने हेतु इनकार करना उचित था, और

(ख) विरोध की किम्प ऐसी है कि यह विरोध उत्पाद के निर्माण के प्रयोजनार्थ अनुपयुक्त है, तो वह ऐसे विरोधों को, यथा सम्भव शीघ्र सार्वजनिक नीलामी द्वारा बेचेगा।

(4) उपनियम (1) में निर्दिष्ट किए गए अधिकारी उपनियम (3) में उल्लिखित नीलामी से पूर्व उचित प्रचार करेंगे।

(5) नीलामी से वसूल किया गया विक्रय आगम परिवादी को, विक्रय के व्ययों को काटने के पश्चात्, जो किसी भी अवस्था में विक्रय आगमन के बीस प्रतिशत से अधिक नहीं होगा, अदा किया जाएगा।

12. (1) जहां किन्हीं चील/चीड़ या कैल के वृक्षों का स्वामी किसी वर्ष के मार्च मास के अन्त तक वृक्षों का छेवन आरम्भ करने में असफल रहता है तो प्राधिकृत अधिकारी स्वामी से छेवन आरम्भ करने की अपेक्षा करते हुए सूचना की तामील करेगा या ऐसी सूचना की तामील से पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर इसका छेवन आरम्भ करवाएगा।

(2) जहां चीड़/चील या कैल का स्वामी उप-नियम (1) में निर्दिष्ट सूचना के अनुपालन में असफल रहता है, तो प्राधिकृत अधिकारी पांच वर्ष से अनाधिक अवधि हेतु अपने अभिकरण के माध्यम से राज्य सरकार के वनों पर तत्काल प्रवृत्त विरोध छेवन नियमों के अनुसार विरोध निस्तारण के लिए वृक्षों का छेवन करवा सकता है।

(3) धारा 9 (2) के अधीन निस्तारित किया गया समस्त विरोध धारा 11 के अधीन राज्य सरकार के सामान्य या विशेष आदेश के अनुसार निपटारा जायेगा।

13. (1) विरोध छेवन दो प्रकार के होंगे, नामतः—

(क) सरकारी छेवन या हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम के छेवन, और

(ख) निजी छेवन।

(2) सरकारी छेवन या हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम के छेवन से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे वन मण्डलाधिकारी या हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम के मण्डल प्रबन्धकों

अस्वीकृत  
विरोधों में  
सम्बन्धित  
जांच की  
प्रक्रिया  
(धारा 8)

अपेक्षा  
वृक्षों का  
छेवन

विरोध छेवन  
आदि का  
पंजीकरण  
(धारा 10)

द्वारा लिखित रूप से, उसके वन मण्डल या क्षेत्राधिकार में पड़ने वाले आरक्षित वनों, सुरक्षित वनों, या पंचायत वनों में खड़े वृक्षों से बिरोजा निस्सारण हेतु छेवन करने के लिए प्राधिकृत किया गया है और इसमें नियम 12(2) के अधीन बिरोजा छेवन हेतु प्राधिकृत व्यक्ति सम्मिलित है।

(3) निजी छेवक या तो राज्य सरकार से कोई अन्य, वृक्षों का स्वामी होगा जो उसके द्वारा नियुक्त किये गए मजदूरों से बिरोजा निस्सारण हेतु उनका छेवन करवाता है या राज्य सरकार से अन्य किसी वृक्षों के स्वामी द्वारा मजदूरों से उनका छेवन करवाने हेतु लिखित रूप से प्राधिकृत कोई व्यक्ति होगा। छेवन कार्य में नियुक्त किए गए मजदूर इन नियमों के प्रयोजनार्थ छेवक नहीं समझे जायेंगे।

14. कोई सरकारी छेवक या हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम का छेवक धारा 10 के अधीन पंजीकृत समझा जाएगा, यदि वह अपना नाम, पिता का नाम और पता, और उसके द्वारा वृक्षों से बिरोजा निस्सारण के प्रयोजनार्थ नियुक्त किए गए प्रत्येक मजदूर का नाम, पिता का नाम, और पता भी उस परिक्षेत्राधिकारी या हिमाचल प्रदेश वन निगम के सहायक प्रबन्धक को, जिसके वन परिक्षेत्र या क्षेत्राधिकार में उसे वृक्षों के छेवन हेतु प्राधिकृत किया गया है, भेजता है।

15. (1) निजी छेवक बिरोजा प्रपत्र 7 में; दो प्रतियों में पंजीकरण हेतु उस परिक्षेत्राधिकारी को जिसके क्षेत्राधिकार में छेवन हेतु अपेक्षित वृक्ष स्थित हैं आवेदन करेगा। वन परिक्षेत्राधिकारी उचित सत्यापन के पश्चात् आवेदन-पत्र की एक प्रति इसकी प्राप्ति में तीस दिन के भीतर वन मण्डलाधिकारी को प्रेषित करेगा, जो ऐसी जांच करने के पश्चात् जैसी वह आवश्यक समझे, बिरोजा प्रपत्र 8 में प्रमाण-पत्र जारी कर सकता है या कारण अभिलिखित करने के पश्चात् आवेदन-पत्र को अस्वीकृत कर सकता है। निजी छेवकों द्वारा बिरोजा निस्सारण हिमाचल प्रदेश भू-संरक्षण अधिनियम, 1978 की प्रक्रिया और उसके अधीन जारी किए गए निर्देशों के अनुसार किया जायेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्रत्येक आवेदन पत्र नियम 18 में विनिर्दिष्ट शुल्क सहित होगा।

(3) निजी छेवक का पंजीकरण प्रमाण-पत्र निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा:—

- (i) पंजीकरण प्रमाण-पत्र एक पंचांग वर्ष हेतु विधिमान्य होगा जब तक कि वन मण्डलाधिकारी कारणों को अभिलिखित करके उसे रद्द या उपांतरित नहीं किया जाता या धारक उन वृक्षों का स्वामी नहीं रहता जिनसे सम्बन्धित पंजीकरण प्रमाण-पत्र दिया गया है।
- (ii) यदि प्रमाण-पत्र खो जाता है या विकृत हो जाता है तो उसकी प्रमाणित प्रति वन मण्डलाधिकारी के कार्यालय से प्रत्येक ऐसी प्रति हेतु एक रुपये की अदायगी करने पर प्राप्त की जा सकती है।
- (iii) उपर्युक्त प्रमाण-पत्र धारक या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा बिरोजा डिपो में विक्रय हेतु बिरोजा प्रस्थापित करते समय पेश किया जायेगा।
- (iv) प्रत्येक निजी छेवक उस वर्ष के पश्चात् आने वाली 15 जनवरी को, जिसके लिए पंजीकरण प्रमाण-पत्र दिया गया था पंजीकरण के वर्ष के दौरान उसके द्वारा छेवित और संग्रहित और विवर्तित किए गए बिरोजे का क्विंटल या में 20 लिटर के डिब्बों की संख्या में लिखित रूप में लेखा देगा।

16. (1) विरोजा उत्पाद के निर्माता के रूप में पंजीकरण हेतु प्रत्येक आवेदन-पत्र विरोजा प्रपत्र 9 में होगा। हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम के कारखाने इन नियमों के अधीन पंजीकरण से छूट-प्राप्त हैं।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट प्रत्येक आवेदन-पत्र नियम 18 में विनिर्दिष्ट शुल्क सहित होगा और उस वन मण्डल अधिकारी को किया जाएगा जिसके क्षेत्राधिकार में विरोजा उत्पाद निर्मित किया जाता है या विरोजा या विरोजा उत्पादों को भण्डार में रखा गया है या वह स्थान जहां से विरोजे या विरोजा उत्पाद का निर्यात किया जाता है।

(3) वन मण्डल अधिकारी ऐसी जांच-पड़ताल करने के पश्चात् जैसी वह आवश्यक समझे, विरोजा प्रपत्र 10 में पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी करेगा या कारण अभिलिखित करने के पश्चात् आवेदन-पत्र को अस्वीकृत करेगा।

(4) उप-नियम (3) के अधीन जारी किया गया पंजीकरण का प्रत्येक प्रमाण-पत्र सिवाए इसके कि सम्बन्धित प्रमाण-पत्र खो जाने या विकृत हो जाने पर उसकी प्रमाणित प्रति हेतु पांच रुपये का शुल्क अदा करना होगा, नियम 15 (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अध्वधीन होगा।

(5) जहां विरोजा उत्पाद के निर्माता ने पंजीकरण की किसी भी शर्त का भंग किया गया है या इन नियमों के उपबन्धों का उल्लंघन किया गया है, या धारा 14 के अधीन दण्डनीय किसी अपराध का दोषी है, तो वन मण्डल अधिकारी कारण बताने हेतु अवसर प्रदान करने के पश्चात्, पंजीकरण प्रमाण-पत्र को रद्द कर सकता है।

17. इन नियमों के अधीन जारी किया गया प्रत्येक अनुज्ञा-पत्र समनुषंगी अनुज्ञा-पत्र या खाना चालान उसे जारी करने वाले अधिकारी द्वारा रद्द किया जा सकेगा, यदि ऐसे अधिकारी के पास ऐसे विश्वास करने के कारण हैं कि उसके धारक ने उसका दुरुपयोग किया है।

18. अध्यादेश या इन नियमों के अधीन देय शुल्क की दर निम्न प्रकार से होगी :-

(क) धारा 4 के अधीन अनुज्ञा-पत्र विरोजा उत्पाद के प्रति क्विंटल 25 पैसे।  
हेतु आवेदन-पत्र पर।

(ख) धारा 5 (1) (क) के अधीन शून्य  
अनुज्ञा-पत्र हेतु आवेदन-पत्र पर।

(ग) धारा 5 (1) (ख) से सम्बन्धित शून्य  
नियम 6 (ख) (1) के अधीन  
अनुज्ञा-पत्र हेतु आवेदन-पत्र पर।

(घ) धारा 5 (1) (ख) से सम्बन्धित विरोजा के प्रति क्विंटल पांच रुपये।  
नियम 6 (ख) (ii) के अधीन  
अनुज्ञा-पत्र हेतु आवेदन-पत्र पर।

(ङ) नियम 5 (4) (ग) के अधीन विरोजा के प्रति क्विंटल एक रुपया।  
अनुज्ञा-पत्र हेतु आवेदन-पत्र पर।

(च) धारा 10 के अधीन विरोजा छेक विरोजा के प्रति क्विंटल पांच रुपया।  
के पंजीकरण हेतु आवेदन-पत्र पर।

(छ) धारा 10 के अधीन विरोजा उत्पाद 25 रुपये प्रति वर्ष।  
के निर्माता के पंजीकरण हेतु  
आवेदन-पत्र पर।

19. नियम 18 में विनिर्दिष्ट शुल्क की राशि या तो वन मण्डल अधिकारी के कार्यालय में नकद रूप में जमा की जा सकती है या कोष में सुसंगत शीर्ष के अधीन चालान के माध्यम से जमा करवाई जा सकती है।

20. उपर्युक्त नियमों में किसी बात के होते हुए भी, राज्य सरकार बिरोजा या बिरोजा उत्पाद की किसी श्रेणी को इन नियमों के उपबन्धों या उनके अधीन लगाये जाने वाले शुल्क से छूट दे सकती है।

आदेशानुसार,  
रमेश चन्द्र गुप्ता,  
सचिव ।



अनुसूची

(नियम 3 देखें)

प्रयोजन जिस हेतु अधिकारी प्राधिकृत किए जा रहे हैं	कौन प्राधिकृत अधिकारी होगा
1	2
1. धारा 4 के खण्ड (ख), (ग) और (घ) के प्रयोजनार्थ ।	हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम लिमिटेड, शिमला के प्रबन्ध निदेशक या उनका प्रतिनिधि ।
2. धारा 4 के खण्ड (ङ) के प्रयोजनार्थ ।	वन मण्डलाधिकारी जिसके क्षेत्राधिकार में बिरोजा उत्पादों का निर्माण स्थान स्थित है ।
3. धारा 5 से सम्बन्धित नियम 6 (क), (ख) (ii) और (ग) के प्रयोजनार्थ ।	वनमण्डलाधिकारी जिसके क्षेत्राधिकार में तत्समय बिरोजा संग्रहीत किया गया है ।
4. धारा 5 से सम्बन्धित नियम 6 (ख) (1) के प्रयोजनार्थ ।	परिक्षेत्राधिकारी या डिपू अधिकारी जिसके क्षेत्राधिकार में तत्समय बिरोजा संग्रहीत किया गया है ।
5. धारा 5 के खण्ड (ङ) के प्रयोजनार्थ	वन मण्डलाधिकारी, जिसके क्षेत्राधिकार से हिमाचल प्रदेश में पहली बार बिरोजा संक्रांत होगा।
6. धारा 8 (1) के परन्तुक के प्रयोजनार्थ	परिक्षेत्राधिकारी, जिसके नियंत्रण में वह बिरोजा डिपू आता हो जहां विक्रय हेतु बिरोजा प्रस्तुत किया गया है ।
7. धारा 8 की उपधारा (5) के प्रयोजनार्थ	परिक्षेत्राधिकारी, जिसके क्षेत्राधिकार में सम्बन्धित बिरोजा डिपू स्थित है ।
8. धारा 9 के प्रयोजनार्थ	वन मण्डलाधिकारी, जिसके क्षेत्राधिकार में बिरोजे हेतु छेवन किये जाने वाले वृक्ष स्थित हैं ।
9. धारा 20 के प्रयोजनार्थ	“प्राधिकृत अधिकारी” हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम लिमिटेड के प्रबन्ध निदेशक या मनोनीत व्यक्ति होगा ।

बिरोजा प्रपत्र-1

(नियम 4 देखें)

धारा 4 की उप-धारा (ड) के अधीन इकाई में निर्मित बिरोजा उत्पाद के परिवहन हेतु आवेदन-पत्र

1. आवेदक का नाम, पिता का नाम और पता यदि यह पंजीकृत फर्म या कम्पनी है तो फर्म या कम्पनी का नाम, पंजीकरण संख्या, पंजीकरण का वर्ष, मुख्तारनामा धारण करने वाले व्यक्ति का नाम और पता (मुख्तारनामे की एक प्रति संलग्न की जाए) ।

2. बिरोजा निर्मित करने वाली इकाई का स्थान, मुख्यालय या मुख्य कार्यालय की अवस्थिति, गांव या नगर, तहसील, पुलिस थाना और जिला ।

3. विधायित बिरोजे की मात्रा और पंजीकरण प्रमाण-पत्र की संख्या और तिथि और बिरोजे की मात्रा जिस हेतु पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी किया है ।

4. इकाई में विधायन हेतु प्राप्त किए गए बिरोजे का स्रोत (विक्रेता से लिया गया प्रमाण-पत्र संलग्न किया जाये) ।

5. बिरोजा उत्पाद की मात्रा जिस हेतु परिवहन अनुज्ञा-पत्र के लिए आवेदन किया गया है ।

6. अवधि जिस हेतु अनुज्ञा-पत्र अपेक्षित है ।

7. स्थान जहां से और जहां को बिरोजा ————— से ————— तक उत्पादों का परिवहन किया जाना है ।

8. परिवहन का ढंग

9. मार्ग जिससे बिरोजा उत्पाद का परिवहन किया जाना है ।

स्थान :

तिथि :

आवेदक के हस्ताक्षर ।

बिरोजा प्रपत्र 2

(नियम 4 देखें)

धारा 4 की उपधारा (ङ) के अधीन बिरोजा उत्पाद के परिवहन हेतु अनुज्ञापत्र

1. अनुज्ञापत्रधारी का नाम और श्री या मैसँज—  
पता ।
2. पंजीकरण प्रमाण-पत्र की संख्या और तिथि, यदि कोई हो, और मण्डल हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम लिमिटेड की स्थिति में कारखाने का नाम और क्विंटल में बिरोजा उत्पाद की मात्रा जिम हेतु पंजीकरण किया गया है।
3. बिरोजा उत्पाद की मात्रा जिम के परिवहन हेतु यह अनुज्ञापत्र विधिमान्य है।
4. स्थान जहां से और जहां को बिरोजा उत्पादों का परिवहन किया जाना है।
5. परिवहन का मार्ग
6. स्थान जहां बिरोजा उत्पादों को पड़ताल हेतु प्रस्तुत करना होगा।
7. अनुज्ञापत्र—तक विधिमान्य है।

हस्ताक्षर

पड़ताल की गई।

पड़ताल करने वाले अधिकारी  
के तिथि सहित हस्ताक्षर।

स्थान :

तिथि :

## बिरोजा प्रपत्र 3

(नियम 5 देखें)

धारा 4 की उपधारा (ड) द्वारा बिरोजा उत्पाद के परिवहन हेतु अपेक्षित समनुषंगी अनुज्ञापत्र

पुस्तक संख्या \_\_\_\_\_ पृष्ठ संख्या \_\_\_\_\_

1. अनुज्ञापत्रधारी का नाम, श्री या मैसर्स \_\_\_\_\_

2. पता \_\_\_\_\_

3. अनुज्ञापत्र की संख्या और तिथि \_\_\_\_\_  
जिसके सम्बन्ध में यह समनुषंगी \_\_\_\_\_  
अनुज्ञापत्र जारी किया जा रहा \_\_\_\_\_  
है।

4. प्रेषण संख्या \_\_\_\_\_ तिथि \_\_\_\_\_

5. बिरोजा उत्पाद की किस्म \_\_\_\_\_  
जिसके परिवहन हेतु अनुज्ञापत्र \_\_\_\_\_  
अपेक्षित है;

(क) तारपीन का तेल \_\_\_\_\_ लिटर

(ख) बिरोजा \_\_\_\_\_ क्विंटल

(ग) वारनिश \_\_\_\_\_ लिटर

(घ) पेंट \_\_\_\_\_ लिटर

(ङ) छापयुक्त बिरोजा \_\_\_\_\_ क्विंटल

(च) अन्य उत्पाद \_\_\_\_\_ क्विंटल

6. स्थान जहाँ से और जहाँ को \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ तक  
बिरोजा उत्पादों का परिवहन \_\_\_\_\_  
किया जा रहा है।

7. परिवहन का ढंग, सिर पर \_\_\_\_\_  
उठाकर या खच्चरों द्वारा या \_\_\_\_\_  
ट्रक द्वारा।

8. परिवहन का मार्ग \_\_\_\_\_

प्रपत्र 2 में अनुज्ञापत्र धारण करने  
वाले के हस्ताक्षर।

पड़ताल की गई।

स्थान:

तिथि:

निर्माता या उसके द्वारा  
अनुमोदित अधिकर्ता के हस्ताक्षर।

पड़ताल करने वाले निरीक्षण  
अधिकारी के हस्ताक्षर।

विरोजा प्रपत्र 4

[नियम 6 (क) देखें]

धारा 5 की उपधारा (1) (क) के अधीन विरोजा के  
विक्रय को अनुमोक्त करने हेतु अपेक्षित अनुज्ञापत्र का प्रपत्र

1. अनुज्ञापत्र धारी का नाम व पता \_\_\_\_\_  
श्री या मैसर्स ।
2. विरोजा प्रपत्र 4 (क) में अनु- \_\_\_\_\_  
ज्ञापत्र हेतु आवेदन करने की तिथि ।
3. क्रेता का नाम \_\_\_\_\_
4. पंजीकरण प्रमाण-पत्र की संख्या \_\_\_\_\_  
और तिथि यदि कोई हो और  
(क्विटलों में) मात्रा, यदि क्रेता:-  
(क) विरोजा उत्पादों का \_\_\_\_\_  
निर्माता है ;  
(ख) विरोजे का विक्रेता या \_\_\_\_\_  
क्रेता ।
5. विरोजे की मात्रा जिसके परि- \_\_\_\_\_ क्विटल  
वहन हेतु अनुज्ञापत्र विधिमान्य है ।
6. स्थान जहां से और जहां को \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ तक  
विरोजे का परिवहन करना है ।
7. परिवहन का ढंग सिर पर \_\_\_\_\_  
उठाकर, या खच्चरों द्वारा या  
ट्रक द्वारा ।
8. परिवहन का मार्ग \_\_\_\_\_
9. पड़ताल के स्थान \_\_\_\_\_
10. अनुज्ञापत्र \_\_\_\_\_ (तिथि) तक विधिमान्य है ।

वन मण्डल अधिकारी के  
हस्ताक्षर ।

स्थान:  
तिथि:-

पड़ताल की गई ।

पड़ताल करने वाले अधिकारी के  
हस्ताक्षर ।

बिरोजा प्रपत्र-4 (क)

(नियम 7 देखें)

धारा 5 की उपधारा (1) (क) द्वारा बिरोजा के विक्रय को अनुमत करने हेतु अपेक्षित आवेदन-पत्र

1. आवेदक का नाम, पिता का नाम और पता (यदि यह पंजीकृत फर्म या कम्पनी है तो पंजीकरण संख्या, पंजीकरण का वर्ष, मुख्तार-नामा धारण करने वाले व्यक्ति का नाम और पता (मुख्तारनामों की एक प्रति संलग्न की जाए)।
2. क्रेता का नाम
3. स्थान जहां से और जहां को बिरोजे का परिवहन करना है।
4. क्विंटलों में माता
5. पूर्व स्रोत, जहां से और प्रयोजन जिस हेतु इस अध्यादेश के प्रारम्भ होने से पूर्व बिरोजा प्राप्त किया था। विक्रय की तिथि की पुष्टि का साक्ष्य या रसीद।
6. अवधि जिस हेतु अनुज्ञापत्र अपेक्षित है।
7. परिवहन का ढंग, सिर पर उठा कर या खच्चरों द्वारा या ट्रक द्वारा।
8. परिवहन का मार्ग

स्थान:

तिथि:

आवेदक के हस्ताक्षर।

बिरोजा प्रपत्र-5

[नियम 6 (ख) देखें]

धारा 5 की उपधारा (1) (ख) के अधीन बिरोजे के क्रय और परिवहन हेतु अपेक्षित अनुज्ञापत्र का प्रपत्र

पुस्तक संख्या \_\_\_\_\_ पृष्ठ संख्या \_\_\_\_\_

1. श्री या मसज \_\_\_\_\_ ग्राम या नगर निवासी  
डाकघर \_\_\_\_\_ पुलिस थाना \_\_\_\_\_  
जिला \_\_\_\_\_ (पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या \_\_\_\_\_ तिथि \_\_\_\_\_) को  
\_\_\_\_\_ (तिथि) को \_\_\_\_\_

डिपू से क्रय किए गए बिरोजा का परिवहन करने की अनुमति या \_\_\_\_\_  
क्विंटल बिरोजा उत्पाद के निर्माण में अनुपयुक्त बिरोजे के विक्रय और परिवहन की अनुमति दी जाती है या श्री या मसज \_\_\_\_\_  
ग्राम या नगर निवासी \_\_\_\_\_ डाकघर \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ पुलिस थाना \_\_\_\_\_ जिला  
 \_\_\_\_\_ (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या  
 \_\_\_\_\_ तिथि \_\_\_\_\_)  
 को \_\_\_\_\_ क्विंटल शेष बिरोजे  
 के विक्रय और परिवहन की अनुमति दी जाती है।

2. स्थान जहां से और जहां को बिरोजे का परिवहन किया जा रहा है \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ तक।

3. परिवहन का ढंग \_\_\_\_\_
4. परिवहन का मार्ग \_\_\_\_\_
5. पड़ताल के स्थान \_\_\_\_\_
6. अनुज्ञापत्र \_\_\_\_\_ (तिथि) \_\_\_\_\_ तक विधिमान्य है।

प्राधिकृत अधिकारी के  
हस्ताक्षर।

स्थान:

तिथि:

पड़ताल की गई।

पड़ताल करने वाले अधिकारी के  
हस्ताक्षर।

### बिरोजा प्रपत्र 5-क

(नियम 7 देखें)

धारा 5 की उपधारा (1) (ख) के अधीन सरकारी विक्रय से क्रय किए गए बिरोजे के परिवहन और बिरोजा उत्पाद के निर्माता द्वारा अप्रयुक्त बिरोजे के परिवहन हेतु आवेदन पत्र

1. आवेदक का नाम, पिता का नाम और पता यदि यह पंजीकृत फर्म या कंपनी है तो पंजीकरण संख्या, पंजीकरण का वर्ष और मुख्तार-नामा धारण करने वाले व्यक्ति का नाम और पता (मुख्तारनाम की एक प्रति संलग्न की जाए)। \_\_\_\_\_
2. पंजीकरण प्रमाण-पत्र की संख्या और तिथि, यदि कोई हो, और क्विंटलों में बिरोजे की मात्रा जिस हेतु पंजीकरण किया गया था। \_\_\_\_\_

3. क्रय की गई मात्ता \_\_\_\_\_ क्विटल
4. बिरोजा उत्पाद के निर्माण में \_\_\_\_\_ क्विटल  
उपयुक्त की गई मात्ता ।
5. यदि बिरोजा उत्पाद का निर्माण  
किया है तो उसका व्योरा और  
मात्ता:-  
  - (क) तारपीन का तेल \_\_\_\_\_ लिटर
  - (ख) बिरोजा \_\_\_\_\_ क्विटल
  - (ग) वार्निश \_\_\_\_\_ लिटर
  - (घ) पेंट \_\_\_\_\_ लिटर
  - (ङ) छापयुक्त बिरोजा \_\_\_\_\_ क्विटल
  - (च) अन्य उत्पाद \_\_\_\_\_ क्विटल
6. व्यर्थ या नष्ट हुई मात्ता, यदि कोई हो \_\_\_\_\_ क्विटल
7. विक्रय हेतु शेष मात्ता \_\_\_\_\_ क्विटल
8. उस व्यक्ति का नाम और पता \_\_\_\_\_  
जिसको बिरोजे का विक्रय किया जा  
रहा है ।
9. पंजीकरण प्रमाण-पत्र की \_\_\_\_\_  
संख्या और तिथि, यदि कोई हो \_\_\_\_\_  
और मात्ता क्विटलों में बिरोजे की \_\_\_\_\_  
जिस हेतु क्रेता का पंजीकरण किया \_\_\_\_\_  
था ।
10. अवधि जिस हेतु अनुज्ञापत्र \_\_\_\_\_ (तिथि)  
अपेक्षित है
11. स्थान जहां से और जहां को \_\_\_\_\_  
बिरोजे का परिवहन करना है ।
12. अनुज्ञापत्र शुल्क की अदायगी \_\_\_\_\_  
का साक्ष्य ।
13. परिवहन का ढंग, सिर पर \_\_\_\_\_  
उठा कर या खच्चरों या ट्रक द्वारा \_\_\_\_\_
14. परिवहन का मार्ग \_\_\_\_\_

स्थान-\_\_\_\_\_

तिथि-\_\_\_\_\_

आवेदक के हस्ताक्षर ।



बिरोजा प्रपत्र-6

[नियम 6(ग) देखें]

धारा 5 की उपधारा (1) (ग) द्वारा बिरोजे के कय और परिवहन हेतु अपेक्षित अनुज्ञापत्र का प्रपत्र

पुस्तक संख्या \_\_\_\_\_ पृष्ठ संख्या \_\_\_\_\_

1. अनुज्ञापत्र धारी का नाम श्री या मैसर्स \_\_\_\_\_  
और पता। \_\_\_\_\_

2. पता \_\_\_\_\_

3. बिरोजे की क्विटलों में मात्रा \_\_\_\_\_  
सहित, जिस हेतु पंजीकरण किया गया \_\_\_\_\_  
है अनुज्ञापत्र के पंजीकरण प्रमाण-पत्र \_\_\_\_\_  
की संख्या और तिथि \_\_\_\_\_

4. फर्म का नाम व पता जिसने \_\_\_\_\_  
बिरोजे की आपूर्ति की जा रही है \_\_\_\_\_  
(प्रेषित) \_\_\_\_\_

(क) हिमाचल प्रदेश में बिरोजा \_\_\_\_\_  
उत्पाद का निर्माता \_\_\_\_\_

(ख) हिमाचल प्रदेश के बाहर \_\_\_\_\_  
का व्यक्ति या फर्म \_\_\_\_\_

5. बिरोजे की मात्रा जिसके \_\_\_\_\_ क्विटल।  
परिवहन हेतु अनुज्ञापत्र विधिमान्य है

6. स्थान जहां से और जहां को \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ तक  
बिरोजे का परिवहन किया जा रहा है

7. परिवहन का ढंग, ट्रक या ट्रेन \_\_\_\_\_  
द्वारा \_\_\_\_\_

8. परिवहन का मार्ग \_\_\_\_\_

9. पड़ताल का स्थान \_\_\_\_\_

10. अनुज्ञापत्र \_\_\_\_\_ (तिथि) तक विधिमान्य है।

वन मण्डलाधिकारी के हस्ताक्षर।

स्थान \_\_\_\_\_

तिथि \_\_\_\_\_

पड़ताल की गई।

पड़ताल अधिकारी के हस्ताक्षर।

बिरोजा प्रपत्र-6क

(नियम 7 देखें)

धारा 5 की उपधारा (1)(ग) द्वारा बिरोजे के क्रय और परिवहन हेतु अपेक्षित आवेदन-पत्र

1. आवेदक का नाम, पिता का नाम और पता यदि वह पंजीकृत फर्म या कम्पनी है तो फर्म या कम्पनी का नाम, पंजीकरण संख्या, पंजीकरण का वर्ष, मुख्तारनामा धारण करने वाले व्यक्ति का नाम और पता। (मुख्तारनामे की एक संलग्न की जायें)

2. बिरोजे के व्यापार का व्योरा, क्या आवेदक:—

(क) बिरोजा उत्पाद का निर्माता है।

(ख) बिरोजे का क्रेता या विक्रेता है/बिरोजे के व्यापार/पंजीकरण प्रमाण-पत्र की संख्या और तिथि।

और क्विटलों में मात्रा जिस हेतु पंजीकरण किया गया था।

4. क्विटलों में बिरोजे की प्राक्कलित वार्षिक आवश्यकता

(क) बिरोजा उत्पाद के निर्माण हेतु

(ख) हिमाचल प्रदेश से बाहर विक्रय और परिवहन हेतु

5. अन्य स्रोतों से क्रय किए गए बिरोजे की क्विटलों में मात्रा और इसका प्रयोग किस प्रकार किया गया पूर्ण विवरण दें।

6. व्यक्तिग या फर्म जिनको आपूर्ति की जा रही है, का पूर्ण व्योरा।

(क) हिमाचल प्रदेश के भीतर या इससे बाहर बिरोजा उत्पाद के निर्माण करने वाली फर्म का नाम व पता (हिमाचल प्रदेश में बिरोजा उत्पाद के निर्माण करने वाली फर्म के पंजीकरण प्रमाण-पत्र की संख्या और तिथि सहित)

(ख) हिमाचल प्रदेश के भीतर या इससे बाहर बिरोजा उत्पाद के निर्माण करने

वाली फर्म का आपूर्ति  
आदेश ।

(ग) व्यक्तियों या फर्म की  
आपूर्ति की शर्तों को दिखाने  
वाला साक्ष्य या कोई  
बन्धपत्र या करार विलेख  
इत्यादि, यदि कोई हो  
आवेदक द्वारा प्रस्तुत किया  
जाएगा ।

7. भण्डारों के स्थान का नाम,  
यदि कोई हो, जहां आवेदक के  
बिरोजे के स्टॉक का भण्डार किया  
गया है ।

8. स्थान जहां से जहां को  
बिरोजे का परिवहन करना है ।

9. परिवहन का मार्ग

10. अनुज्ञापत्र के शुल्क की  
अदायगी का साक्ष्य

11. अवधि जिस हेतु, अनुज्ञापत्र  
अपेक्षित है

12. दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों के (1)  
नाम और पता जिनको आवेदक के  
विवरण के (2) सत्यापन हेतु निर्देश  
दिया जा सके ।

आवेदक के हस्ताक्षर ।

स्थान-----

तिथि-----

बिरोजा प्रपत्र-7

(नियम 15 देखें)

धारा 10 के अधीन निजी छेवकों द्वारा पंजीकरण हेतु अपेक्षित आवेदन-पत्र

1. आवेदक का नाम, पिता का  
नाम और पूरा पता

2. उस स्थान का जिला, तहसील  
और खसरा संख्या जहां चीड़ या चील  
या कैल के वृक्ष खड़े हैं ।

3. उस भूमि के स्वामित्व से  
सम्बन्धित विवरण जहां चीड़ या  
चील के छेवन हेतु वृक्ष खड़े हैं—

(क) निजी भूमि की हैसियत  
और भूमि के स्वामी के

नाम से सम्बन्धित सत्यापन  
प्रमाण-पत्र ज़िला मैजिस्ट्रेट  
या उप-मण्डल मैजिस्ट्रेट से  
प्राप्त करने के पश्चात्  
संलग्न किया जाए।

(ख) यदि आवेदक भूमि का  
स्वामी नहीं है तो साक्ष्य  
या स्वामी से प्राधिकार-पत्र,  
जो आवेदक को चील वृक्षों  
के छेवन हेतु प्राधिकृत  
करता हो, संलग्न किया  
जाना चाहिए।

4. चीड़ या चील वृक्षों की  
भू-खण्ड या खसरा अनुसार सूची  
और चैनलज की संख्या खण्ड अधि-  
कारी द्वारा विधिवत सत्यापित  
संलग्न की जाए।

5. क्या वह पूर्वगामी वर्षों के (1) \_\_\_\_\_  
दौरान छेवन करता रहा है, यदि हां  
तो उस द्वारा पूर्वगामी तीन वर्षों में (2) \_\_\_\_\_  
बिरोजा निस्सारण पर प्रति किबटल  
किया गया उम्मत मूल्य (3) \_\_\_\_\_

6. बिरोजा का अनुमानित  
उत्पादन।

7. पूर्वगामी तीन वर्षों के दौरान (1) \_\_\_\_\_  
कितनी मात्रा का छेवन किया गया (2) \_\_\_\_\_  
था। प्रत्येक वर्ष का उत्पादन बताया (3) \_\_\_\_\_  
जाए।

8. पूर्वगामी तीन वर्षों में (1) \_\_\_\_\_  
किसको बिरोजे का विक्रय किया (2) \_\_\_\_\_  
गया था और कितनी राशि हेतु (3) \_\_\_\_\_  
प्रत्येक वर्ष का व्योरा बताया जाए।

9. स्थान जहां बिरोजा अस्थाई  
रूप से निकटतम वन डिपो को  
वितरित करने के समय तक रखा  
गया है।

10. वर्ष जिस हेतु पंजीकरण के  
लिए आवेदन किया गया है।

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने हिमाचल प्रदेश बिरोजा तथा बिरोजा उत्पाद  
(व्यापार विनियमन) अध्यादेश, 1981 के उपबन्धों और इसके अधीन बनाए गए नियमों  
को पढ़ व समझ लिया है। उपर्युक्त दिया गया समस्त विवरण मेरे संज्ञान के अनुसार शुद्ध है  
और मैं इसके प्रमाण में साक्ष्य प्रस्तुत करने योग्य हूंगा।

आवेदक के हस्ताक्षर।

स्थान—

तिथि—

बिरोजा प्रपत्र-8

(नियम 15 देखें)

धारा 10 के अधीन अपेक्षित निजी छेवक के पंजीकरण का प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री-----  
मुपुत्र श्री-----ग्राम या नगर निवासी-----  
-----पुलिस थाना-----जिला-----  
मण्डल के-----परिक्षेत्र का-----  
-----हिमाचल प्रदेश बिरोजा तथा बिरोजा उत्पाद  
(व्यापार विनियमन) अध्यादेश, 1981 की धारा 10 और इसके अधीन बनाए गए नियमों  
हेतु पंचांग वर्ष-----के लिए बिरोजे के छेवन के लिए चील वृक्षों का निजी  
छेवक है और जिसका निम्नलिखित रूप से वर्णित निजी भूमि में बिरोजे का अनुमानित  
वार्षिक उत्पादन-----किंवदन्त है। पंजीकरण  
-----तय्य तक विधिमान्य होगा।

जोत का विवरण

खसरा संख्या	बिरोजा छेवन हेतु उपयुक्त चीड़ वृक्षों की संख्या	बिरोजा चैन्लज की संख्या
(1)		
(2)		
(3)		
(4)		

योग . .

वन मण्डल अधिकारी के हस्ताक्षर,

तिथि-----198-----

बिरोजा प्रपत्र-9

[नियम 16 (1) देखें]

धारा 10 के अधीन बिरोजा उत्पाद के निर्माणा के पंजीकरण हेतु अपेक्षित आवेदन-पत्र

1. आवेदक का नाम, पिता का -----  
नाम और पता यदि यह पंजीकृत -----  
फर्म या कम्पनी है तो फर्म या -----

कम्पनी का नाम, पंजीकरण संख्या, पंजीकरण का वर्ष, मुख्तारनामा धारण करने वाले व्यक्ति का नाम और पता (मुख्तारनामे की एक प्रति संलग्न की जाए)।

2. व्यापार का स्थान, मुख्यालय या मुख्य कार्यालय की अवस्थिति गांव या नगर, तहसील, पुलिस थाना, जिला।

3. प्रतिवर्ष निर्मित बिरोजा उत्पाद का व्योरा:—

(क) प्रतिवर्ष बिरोजा उत्पाद की निर्मित औसत मात्रा:—

- |                     |        |
|---------------------|--------|
| (1) तारपीन का तेल   | लिटर   |
| (2) बिरोजा          | क्विटल |
| (3) बानिश           | लिटर   |
| (4) पेंट            | लिटर   |
| (5) कठोरीकृत बिरोजा | क्विटल |
| (6) अन्य उत्पाद     | क्विटल |

(ख) व्यापार चिह्न, यदि कोई हो

(ग) बिरोजा उत्पाद के निर्माण हेतु कच्चे बिरोजे की अनुमानित वार्षिक आवश्यकता।

(घ) भण्डारों के स्थान का नाम जहां आवेदक के बिरोजे के स्टॉक के भण्डारण किया गया है।

(ङ) ढंग जिसके अनुसार अपेक्षित स्टॉक प्राप्त किया गया है।

(च) केन्द्रीय या राज्य की आवकारी या अन्य पंजीकरण संख्या यदि कोई हो।

4. आवेदक कब से बिरोजा उत्पाद का निर्माण कर रहा है।

5. बिरोजे की क्विटलों में मात्रा जिस हेतु पंजीकरण अपेक्षित है।

6. वर्ष जिस हेतु पंजीकरण अपेक्षित है।

7. क्या आवेदक पहले भी पंजीकृत था यदि था तो किस वर्ष में और किस मण्डल में और बिरोजे की क्विटलों में किस मात्रा हेतु

8. कोई अन्य सूचना जिसे आवेदक इस साक्ष्य हेतु देना चाहे कि वह

बिरोजा उत्पाद का सदभावी निर्माता  
है।

9. पंजीकरण शुल्क की अदायगी  
का साक्ष्य।

10. दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों के नाम (1)

और पता जिनको आवेदक के

विवरण के सत्यापन हेतु निर्देश (2)

किया जा सके।

आवेदक के हस्ताक्षर।

स्थान—

तिथि—

### बिरोजा प्रपत्र-10

[नियम 16(3) देखें]

धारा 10 के अधीन अपेक्षित पंजीकरण प्रमाण-पत्र का प्रपत्र

पुस्तक संख्या—

पृष्ठ संख्या—

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री या मैसर्स—

सुपुत्र श्री—गांव या नगर निवासी

या शहर निवासी—पुलिस थाना—

तहसील—जिला—को

वर्ष—हेतु बिरोजा उत्पाद के निर्माण के लिए हिमाचल प्रदेश बिरोजा

तथा बिरोजा उत्पाद (व्यापार विनियमन) अध्यादेश, 1981 की धारा 10 और उसके

अधीन बनाए गए नियमों के अधीन यथा अपेक्षित, पंजीकृत किया गया है।

निम्नलिखित एक या एक से अधिक या सभी स्थानों पर संग्रहीत की गई बिरोजे या  
बिरोजा उत्पाद की अनुमानित मात्रा लगभग—क्विंटल है या होगी :

1.

2.

3.

4.

5.

पंजीकरण एक वर्ष के लिए—तिथि तक विधिमान्य है।

कार्यालय की मोहर

वन मण्डल अधिकारी के हस्ताक्षर  
मण्डल।

तिथि—

प्रति अरण्यपाल—वृत्त को सूचना हेतु प्रेषित की जाती है।

वन मण्डल अधिकारी,  
मण्डल।

(English Translation of Notification No. Fts. (E) 3-2/81 dated 16th April, 1981).

## FOREST FARMING AND ENVIRONMENTAL CONSERVATION DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Simla-2, the 16th April, 1981*

No. Fts. (E)3-2/81.—In exercise of the powers conferred under section 19 of Himachal Pradesh Resin and Resin Products (Regulation of Trade) Ordinance, 1981 (Ordinance No. 1 of 1981) the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to make the following rules :—

### THE HIMACHAL PRADESH RESIN AND RESIN PRODUCTS (REGULATION OF TRADE) RULES, 1981

Short Title  
and Commencement.

1. (i) These rules may be called the Himachal Pradesh Resin and Resin Products (Regulation of Trade) Rules, 1981.

(ii) These rules shall come into force with effect from February 13, 1981.

Definition.

2. In these rules, unless the context otherwise requires:—

(i) 'Ordinance' means the Himachal Pradesh Resin and Resin Products (Regulation of Trade) Ordinance, 1981.

(ii) 'Divisional Forest Officer' means the Forest Officer-in-charge of a territorial Forest Division.

(iii) 'Managing Director' means the Managing Director of the H.P. State Forest Corporation Ltd., Simla.

(iv) 'Forest Export Checkpost' means a Checkpost established under section 41 of the Indian Forest Act, 1927.

(v) 'Form' means a Form appended to these rules.

(vi) 'Manufacturer of resin product' includes a person owning a factory for manufacture of resin products.

(vii) 'Section' means a section of the Ordinance.

(viii) All other words and expressions used but not defined in these rules shall have the meanings assigned to them in the Ordinance.

3. (1) The officers mentioned in the schedule appended to these rules shall be the authorised officers for the purpose noted against each of them.

(2) The Assistant Conservator of Forests shall also be the competent officer for purposes of section 8.

4. (1) Application for issue of permit under clause (e) of section 4 shall be made in Resin Form No. 1 and shall be submitted to the Divisional Forest Officer who shall after making such inquiries as he deems fit, if issue permit in Resin Form No. 2:

Provided that where the Divisional Forest Officer has reasons to believe:—

(i) that the resin products manufactured by the applicant from the quantity of resin purchased from the State Government or its

Authorised  
officer and  
competent  
officer.  
(Section 4,  
8, 9 & 20).

Restrictions  
on sale, pur-  
chase and  
transport of  
Resin.  
(Section-4).



authorised officer are in excess of what should have been manufactured from such quantity of resin; or

(ii) that the resin procured by the applicant was from unauthorised sources, he may reject the application partially or in toto.

(2) The resin products in respect of which the application for permit under sub-rule (1) has been rejected may, after an opportunity of being heard has been given to the applicant, be seized by the Divisional Forest Officer concerned.

(3) Any person aggrieved by the order of the Divisional Forest Officer made under sub-rule (2) may prefer an appeal to the Conservator of Forests of the unit concerned within thirty days from the date of the rejection order under sub-rule (1) and the order of the Conservator of Forests shall be final.

5. On issue of a permit in Resin Form 2 by the Divisional Forest Officer, the permit holder shall obtain authenticated subsidiary permit forms (Resin Form 3) from the Range Officer within whose jurisdiction the place of manufacture of resin products is situated and shall be responsible to fill in and issue the subsidiary permit himself in a proper manner subject to the following conditions:—

- (a) Each consignment of resin product during movement by any mode of transport by road, rail, water or air, shall be accompanied by a subsidiary permit.
- (b) Resin products shall be transported only by the route specified in the permit and shall be produced for checking at each forest export checkpost within a unit.
- (c) Except with the permission in writing of the Range Officer, resin products shall not be transported within a unit at any time after sun-set and before sun-rise.
- (d) All subsidiary permits after transporting resin products or after expiry of the period mentioned therein, whichever is earlier, shall be returned within a fortnight to the nearest Range Officer of the unit.

6. Permit for sale and/or transport of resin under sub-section (1) of section 5 shall be of the following types:—

Permit for Sale, Transport etc. (Section-5)

*Purpose of permit*

*Permit Form No.*

(a) For sale or purchase of resin stored from before the commencement of the Ordinance from any person other than the State Government or an authorised officer and to transport the same.

Resin Form No. 4

(b) (i) For transport of resin purchased from the State Government or an authorised officer for manufacture of resin products.

Resin Form No. 5

(ii) For transport and/or sale of resin

Resin Form

unutilised in the manufacture of resin products out of resin purchased from the State Government or an authorised officer for manufacture of resin products.

No. 5

- (c) For transport of resin purchased from outside Himachal Pradesh to a place within the State either for manufacture of resin products or to again transport the resin elsewhere outside Himachal Pradesh.

Resin Form  
No. 6.

7. (1) Every application for permit under clauses (a) to (c) of rule 6 shall be in Resin Form 4-A, 5-A, 6-A as the case may be.

(2) The authorised officer may, after making such enquiry as he deems necessary and for reasons to be recorded, reject the application referred to in sub-rule (1), wholly or partly.

(3) Any person aggrieved by an order of rejection under sub-rule (2) may prefer an appeal to the Conservator of Forests of the unit concerned and the provisions of rule 4 (3) shall *mutatis mutandis* apply to every such appeal.

8. (1) Where a permit has been issued in accordance with rule 6 or rule 7 and the permit holder wants to export the quantity specified in the permit under different consignments or in different conveyances, then the Range Officer/Depot Officer concerned shall issue necessary Rawannah (Challan) for each such consignment or conveyance.

(2) The provisions of rule 5 shall *mutatis mutandis* apply to the Rawannah (Challan) issued under sub-rule (1).

9. (1) The State Government shall publish the names of the members of the Advisory Committee constituted under section 6 in the Official Gazette. For each such Committee, there shall be a Chairman and a Convener.

(2) Every meeting of the Committee, shall be presided over by the Chairman and in his absence by the Convener. If both Chairman and the Convener are absent, the members present shall elect one of the members present as Chairman and hold the meeting.

(3) The Advisory Committee shall ordinarily hold its meeting at the headquarters of the unit for which it is constituted.

(4) The Convener shall with the approval of the Chairman fix the date, time and place of the meeting of the Committee and intimate the same in writing to all the members of the Committee.

(5) Four members of the Advisory Committee shall constitute the quorum.

(6) The minutes of the proceedings shall be reduced to writing and the same shall be approved by the person presiding over the meeting.

Procedure  
for conduc-  
ting the  
business of  
the Commi-  
tee.  
(Section 6).

Such approval shall be taken as final proof of the authenticity of the Committee's recommendation.

10. (1) The advice of the Advisory Committee shall be conveyed to the State Government on or before a date to be specified by the State Government in that behalf.

(2) A copy of the minutes of the meeting should invariably be sent along with the said advice.

11. (1) On receipt of a complaint under sub-section (2) of section 8 the Divisional Forest Officer or the Assistant Conservator of Forests concerned shall as soon as possible intimate the complainant the place, date and time fixed for holding the enquiry.

Procedure of Enquiry about rejected Resin. (Section-8).

(2) On the date fixed or any subsequent date to which the inquiry may be adjourned, the officers referred to in sub-rule (1) shall, after hearing the complainant or his duly authorised representative, and after making such further enquiry as he may deem necessary pass necessary orders in accordance with sub-sections (3) and (4) of section 8.

(3) Where any resin offered for sale has been refused under the proviso to section 8 (1), and the officer referred to in sub-rule (2) finds:—

(a) that the refusal to purchase the resin was proper; and

(b) that the quality of resin is such that it is unfit for the purpose of manufacturing resin products, then he shall cause such resin to be sold by public auction as soon as possible.

(4) The officers referred to in sub-rule (1) shall give due publicity before the auction mentioned in sub-rule (3).

(5) The sale proceeds recovered from the auction shall be paid to the complainant after deducting the expenses of sale which shall, in no case, exceed twenty per cent of the sale proceeds.

12. (1) Where the owner of any Chir/Chil or Kail tree fails to commence its tapping by the end of March in any year, then the authorised officer shall serve a notice requiring the owner to commence tapping or to cause its tapping commenced within the period of the fifteen days from the service of such notice.

Tapping of untapped Trees. (Section-9).

(2) Where the owner of the Chir/Chil or Kail tree fails to comply with the notice referred to in sub-rule (1), the authorised officer may cause the tree to be tapped for a period not exceeding five years for extraction of resin through its own agencies in accordance with the Resin Tapping Rules for the time being in force in the forests of the State Government.

(3) All resin extracted under section 9 (2) shall be disposed of in accordance with the general or special order of the State Government issued under section 11.

13. (1) Tappers of resin shall be of two types viz. (a) Government tappers, H.P. State Forest Corporation; (b) Private tappers.

Registration of Tappers of Resin etc. (Section-10).

(2) Government tappers/H. P. State Forest Corporation tappers means a person who is authorised in writing by the Divisional Forest Officer/

Divisional Managers of H. P. State Forest Corporation to tap trees standing in the Reserve forests, Protected forests or Panchayat forests within his forest division/jurisdiction for extraction of resin and include a person authorised to tap resin under rule 12(2).

(3) Private tappers shall either be the owner of the trees other than the State Government who gets them tapped through labourers engaged by him for extraction of resin or one authorised in writing by the owner of trees other than the State Government to get them tapped through labourers. Labourers engaged in tapping work shall not be considered as tappers for purposes of these rules.

14. A Government tapper/tapper of Himachal Pradesh State Forest Corporation shall be deemed to have been registered under section 10, if he submits his own name, parentage and address, and also the names, parentage and addresses each of the labourers engaged by him for the purpose of extraction of resin from the trees, to the Range Officer/Assistant Manager, Himachal Pradesh State Forest Corporation in whose forest range/jurisdiction he has been authorised to tap trees.

15. (1) Private tapper shall submit an application in duplicate for registration in Resin Form 7 to the Range Officer within whose jurisdiction the trees required to be tapped for resin are situated. The Range Officer, after due verification shall forward one copy of the application within 30 days of its receipt to the Divisional Forest Officer who, after making such enquiry as he deems, necessary, may issue a certificate in Resin Form 8 or reject the application after recording reasons therefor. The extraction of resin by the Private tappers will be as per procedure and instructions issued under the Himachal Pradesh Land Preservation Act, 1978.

(2) Every application under sub-rule (1) shall be accompanied with the fee specified in rule 18.

(3) Certificate of registration of a private tapper shall be subject to the following conditions:—

- (i) The certificate of registration shall be valid for one calendar year unless it is cancelled or modified earlier by the Divisional Forest Officer for reasons to be recorded by him in writing or the holder ceases to be the owner of the trees in respect of which the certificate of registration has been granted.
- (ii) If a certificate is lost or mutilated a certified copy of the same can be obtained from the office of the Divisional Forest Officer on payment of Re. 1/- for each such copy.
- (iii) The aforesaid certificate shall be produced by the holder or his authorised representative at the resin depot while offering resin for sale.
- (iv) Every private tapper shall furnish by the 15th January following the year for which certificate of registration was granted, an account in writing of total quantity of resin in quintals or number of 20 litre tins tapped and collected and disposed of by him during the year of registration.

16. (1) Every application for registration as manufacturer of resin product shall be in Resin Form 9. The Himachal Pradesh State Forest Corporation Factories are exempted from registration under these rules.

(2) Every application referred to in sub-rule (1) shall be accompanied with the fee specified in rule 18 and shall be made to the Divisional Forest Officer within whose jurisdiction resin products are to be manufactured or resin or resin products are stored or the place from which the resin or resin products are to be exported.

(3) The Divisional Forest Officer may, after making such enquiry as he deems necessary, issue a certificate of registration in resin Form 10 or reject the application after recording reasons therefor.

(4) Every certificate of registration issued under sub-rule (3) shall be subject to the conditions specified in rule 15 (3) except that a fee of rupees five shall be payable for a certified copy of the certificate concerned in case of loss or mutilation.

(5) Where a manufacturer of resin product has committed breach of any of the conditions of registration, or has contravened the provisions of these rules, or has been guilty of any offence punishable under section 4, the Divisional Forest Officer may after affording an opportunity to show cause, cancel the certificate of registration.

17. Every permit, subsidiary permit or rawannah (Challan) issued under these rules shall be liable to be cancelled by the officer issuing the same, if such officer has reasons to believe that it has been misused by the holder thereof.

18. The rate of fee payable under the Ordinance or these Rules shall be as follows:—

(a) On application for permit under Section 4(a).	25 paise per Qtl. of resin product.
(b) On application for permit under Section 5(1) (a).	Nil
(c) On application for permit under rule 6(b) (i) pertaining to Section 5(1)(b).	Nil.
(d) On application for permit under Rule 6(b)(ii) pertaining to Section 5(1)(b).	Rs. 5/- per Qtl. of resin.
(e) On application for permit under Rule 5(4)(c).	Re. 1/- per Qtl. of resin.
(f) On application for registration of tapper of resin under Section 10.	Rs. 5/- per Qtl. of resin.
(g) On application for registration of a manufacturer of resin product under Section 10.	Rs. 25/- per annum.

19. The amount of fee specified in rule 18 may be deposited either in cash in the office of the Divisional Forest Officer or may be deposited in Treasury by means of a Challan under relevant head.

20. Notwithstanding anything in the above rules, the State Government may exempt any class or resin product or resin from the provisions of the rules or fees levied thereunder.

## THE SCHEDULE

(See rule 3)

<i>Purpose for which the Officers are being authorised</i>	<i>Who shall be the authorised Officer</i>
1. For the purposes of clauses (b), (c) and (d) of Section 4.	Managing Director, Himachal Pradesh State Forest Corporation Ltd., Simla or his Representative.
2. For the purposes of clause (e) of Section 4.	Divisional Forest Officer within whose jurisdiction the place where the resin products are manufactured is situated
3. For the purposes of rule 6 (a), (b)(ii) and (d) pertaining to Section 5.	Divisional Forest Officer within whose jurisdiction the resin is, for the time being stored.
4. For the purpose of rule 6(b)(1) pertaining to Section 5.	Range Officer/Depot Officer in whose jurisdiction the resin is for the time being stored.
5. For the purposes of clause (e) of Section 5.	Divisional Forest Officer through whose jurisdiction, the resin shall pass through for the first time in Himachal Pradesh.
6. For the purposes of the proviso to Section 8 (1).	Range Officer under whose control the resin depot, where the resin is offered for sale comes.
7. For the purposes of sub-section (5) of Section 8.	Range Officer within whose jurisdiction the resin depot concerned is situated.
8. For the purposes of Section 9.	Divisional Forest Officer within whose jurisdiction the trees required to be tapped for resin are situated.
9. For the purposes of Section 20.	'Authorised Officer' will be the Managing Director of Himachal Pradesh State Forest Corporation Ltd., or the nominee.

RESIN FORM 1

(See rule 4)

APPLICATION FOR TRANSPORT OF RESIN  
PRODUCTS MANUFACTURED IN UNIT UNDER  
SUB-SECTION (E) OF SECTION 4

- (1) Name, Father's name and address of the applicant. If it is a registered firm or Company name of the firm or Company registration number, year of registration, the name and address of person holding a power of attorney (a copy of power of attorney be enclosed).
- (2) Place of resin manufacturing unit, location of headquarters of head office, village or town, tehsil, police station and district.
- (3) Quantity of resin processed and number and date of Registration Certificate and quantity of resin for which registration certificate is issued.
- (4) Source of obtaining resin for processing in the unit. (Certificate to be enclosed from the Seller).
- (5) Quantity of resin product for which transport permit is applied for.
- (6) Period for which permit is required.
- (7) Place from and to which resin products are to be transported From.....  
..... to.....
- (8) Mode of transport.....
- (9) Routes by which the resin products are to be transported.....

Place.....

*Signature of applicant).*

Date.....

RESIN FORM 2

(See rule 4)

PERMIT FOR TRANSPORT OF RESIN PRODUCTS  
UNDER SUB-SECTION (E) OF SECTION 4

1. Name and address of permit holder Shri/Messrs.....
2. Number and date of Registration Certificate, if any, and name of the Division (Factory in case of Himachal Pradesh State

Forest Corporation Ltd.), and quantity of resin products in quintals for transport of which the registration is made.

3. Quantity of resin product for the transport of which this permit is valid.
4. Place from and to which resin products are to be transported.
5. Route of transport.....
6. Places where the resin products will have to be presented for checking.
7. The permit is valid upto.....

Place.....  
Date.....

Signature.....  
Checked.....

Signature of Checking Officer  
with date.

RESIN FORM 3  
(See rule 5)

**SUBSIDIARY PERMIT AS REQUIRED VIDE SUB-  
SECTION (E) OF SECTION 4 FOR TRANSPORT  
OF RESIN PRODUCTS**

Book No..... Page No.....

1. Name of the permit holder Shri/Messrs.....
2. Address.....
3. Number and date of the permit in respect of which this subsidiary permit is being issued.....
4. Consignment No..... dated.....
5. Kind of resin products for which the permit for transport is required.—
  - (a) Turpentine Oil.....litres.
  - (b) Resin .....quintals.
  - (c) Varnish.....litres.
  - (d) Paints .....litres.
  - (e) Hardened resin.....quintals.
  - (f) Other products.....quintals.
6. Place from and to which the resin products are being transported from.....to.....



7. Mode of transport by head load/mules/or truck.

8. Route of transport.....

Place.....

*Signature of holder of permit  
in Form 2.*

Date.....

*Checked.*

*Signature of the manu-  
facturer/or his approved  
agent.*

*Signature of Checking Officer.*

RESIN FORM 4

[See rule 6(a)]

FORM OF PERMIT FOR ALLOWING SALE OF  
RESIN AS REQUIRED IN SUB-SECTION (1)(A)  
OF SECTION 5

1. Name and address of the permit holder Shri/Messrs.....
2. Date of applying for permit in resin Form 4-A.....
3. Name of purchaser.....
4. Number and date of Registration Certificate, if any, and quantity  
(in quintals), in case the purchaser is:—  
(a) A manufacturer of resin products;  
(b) Seller/purchaser of resin.
5. Quantity of resin for transport of which the permit is valid  
.....quintals.
6. Place from and to which the resin is transported  
From..... to.....
7. Mode of transport by head load/mules/or trucks.
8. Route of transport.....
9. Places for checking.....
10. The permit is valid upto.....(date).

*Signature of Divisional Forest  
Officer.*

Place.....

*Checked*

Date.....

*Signature of Checking Officer.*

## RESIN FORM 4-A

(See rule 7)

APPLICATION FOR ALLOWING SALE OF RESIN AS REQUIRED  
VIDE SUB-SECTION (1) (A) OF SECTION 5

1. Name, father's name and address of the applicant. If it is a registered firm or company, registration number, year of registration, the name and address of the person holding a power of attorney (A copy of power of attorney be enclosed).
2. Name of the purchaser.....
3. Place from and to which the resin is to be transported from.....  
..... to.....
4. Quantity in quintals.....
5. The original source, from where and the purpose for which the resin was obtained before the commencement of Ordinance. Evidence in support of date of purchase or receipt.....
6. Period for which the permit is required.....
7. Mode of transport (By head load/mules/or truck).
8. Route of transport.....

Place.....

*Signature of applicant.*

Date.....

## RESIN FORM 5

[See rule 6(b)]

FORM OF PERMIT FOR SALE AND TRANSPORT OF RESIN  
AS REQUIRED VIDE SUB-SECTION (1) (B) OF SECTION 5

Book No.....

Page No.....

1. Shri/Messrs.....resident of Village/Town....  
..... P.O.....Police Station.....  
District.....Registration Certificate No.....  
dated.....is allowed to transport resin purchased on....  
.....from.....depot/is allowed to sell and  
transport.....quintals of resin unutilised in the manu-  
facture of resin products is allowed to sell and transport.....  
.....quintals of balance resin to Shri/Messrs.....  
.....resident of Village.....Town.....  
P.O.....Police Station.....Patti.....  
District.....(Registration Certificate No.....  
date.....).

2. Place from and to which the resin is being transported.  
From.....to.....
3. Mode of transport.....
4. Route of transport.....
5. Places for checking.....
6. The permit is valid upto.....

*Signature of the authorised  
Officer.*

Place.....

*Checked*

Date.....

*Signature of the Checking  
Officer.*

### RESIN FORM 5-A

(See rule 7)

### APPLICATION FOR TRANSPORT OF RESIN PURCHASED FROM THE GOVERNMENT SALE AND TRANSPORT OF RESIN NOT UTILISED BY THE MANUFACTURER OF RESIN PRODUCTS UNDER SUB-SECTION 1 (B) OF SECTION 5

1. Name, father's name and address of the applicant. If it is a registered firm or company, registration No. year of registration, the name and address of person holding a power of attorney (A copy of power of attorney be enclosed).
2. Number and date of registration certificate if any and quantity of resin in quintals for which the registration was made.
3. Quantity purchased..... quintals.
4. Quantity consumed in manufacture of resin products ..... quintals.
5. Details and quantities of resin products manufactured:—
  - (a) Turpentine oil..... litres.
  - (b) Resin ..... quintals.
  - (c) Varnish ..... litres.
  - (d) Paints..... litres.
  - (e) Hardened Resin..... quintals.
  - (f) Other products..... quintals.
6. Quantity rendered useless or destroyed, if any..... quintals.
7. Quantity balance for sale..... quintals.
8. Name and address of the person to whom the resin is being sold.....
9. Number and date of Registration Certificate if any, and quantity of resin in quintals for which the registration was made of the purchaser.

10. Period for which the permit is required.....(date).
11. Place from and to which the resin is to be transported  
from..... to.....
12. Evidence in payment of permit fee.....
13. Mode of transport by head load/mules/or by truck.....
14. Route of transport.....

Place.....

*Signature of the applicant.*

Date.....

**RESIN FORM-6**  
[See rule 6 (c)]

**FORM OF PERMIT FOR PURCHASE AND TRANSPORT OF  
RESIN AS REQUIRED VIDE SUB-SECTION 1 (C) OF  
SECTION 5**

Book No. ....Page No. ....

1. Name and address of the permit holder Shri/Messrs.....
2. Address .....
3. Number and date of the registration certificate of the permit-holder along with the quantity of resin in quintals for which the registration is made.
4. Name and address of the firm to whom the resin is being supplied (Consignee) :
  - (a) Manufacturer of resin products in Himachal Pradesh.....
  - (b) Firm or person out side Himachal Pradesh.....
5. Quantity of resin for transport of which the permit is valid .....  
.....qtls.
6. Place from and to which the resin is being transported  
From.....to.....
7. Mode of transport by Truck/Train .....
8. Route of transport.....
9. Places for checking .....
10. The permit is valid upto. ....(date).

*Signature of Divisional  
Forest Officer.*

Checked

Place .....

*Signature of Checking Officer.*

Date .....

RESIN FORM 6-A

(See rule-7)

APPLICATION FOR PURCHASE AND TRANSPORT OF  
RESIN AS REQUIRED *VIDE* SUB-SECTION 1(C) OF  
SECTION 5

1. Name, father's name and address of the applicant. If it is a registered firm or company, name of the firm or company, registration number, year of registration, the name and address of person holding a power of attorney (A copy of power of attorney be enclosed).
2. Particulars of trade in resin, whether the applicant is—
  - (a) Manufacturer of resin products.
  - (b) Seller/Purchaser of resin.
3. Number and date of registration certificate if any for the resin trade and quantity in quintals for which registration was made.
4. Estimated annual requirement of resin in quintals;—
  - (a) For manufacturing of resin products.
  - (b) For sale and transport outside Himachal Pradesh.
5. Quantity of resin purchased from other sources in quintals and how it was utilized give full account.
6. Full details of persons or firm to whom the supply is being made :
  - (a) Name and address of firm manufacturer of resin products within Himachal Pradesh/outside Himachal Pradesh (along with the Registration Certificate number and date if any of the firm manufacturing resin products in Himachal Pradesh).
  - (b) Supply order of the firm manufacturer of resin products in Himachal Pradesh/outside Himachal Pradesh.
  - (c) Evidence or any bond or agreement deed etc. if any of the persons or firm depicting the terms and conditions of the supply, to be furnished by the applicant.
7. Names of places of godowns if any where the applicant's stock of resin is stored.
8. Destination from and to which the resin is to be transported.
9. Route of Transport .....
10. Evidence in payment of permit fee.....
11. Period for which the permit is required .....

12. Names and address of the two persons of status to whom reference could be made for verification of details of the applicant.

(1)

(2)

*Signature of the applicant.*

Place .....

Date.....

RESIN FORM—7

(See rule—15)

**APPLICATION FOR REGISTRATION BY THE PRIVATE  
TAPPER AS REQUIRED UNDER SECTION 10**

1. Name, father's name and full address of the applicant.....
2. Location, District, Tehsil, Patti and Khasra number of place on which Chir/ Chil/Kail trees are standing.....
3. Particulars regarding ownership of the land on which the Chir/ Chil trees for tapping stand,—
  - (a) Verification certificate regarding the status of private land and the name of the owner of the land should be enclosed after obtaining from District Magistrate or Sub-Divisional Magistrate.
  - (b) In case the applicant is not the owner of the land then evidence or authority letter from the owner of land, which authorises the applicant to tap the Chir trees should be enclosed.
4. Plot/Khasra wise list of Chir/Chil trees and number of channels after duly verified by the Block Officer should be enclosed.
5. Whether he has been tapping during past years if so cost incurred by him in extraction of resin per quintal in the past three years—
  - (1)
  - (2)
  - (3)
6. Estimated production of resin .....quintals.
7. What quantity was tapped during the past three years. Production with respect of each year should be stated ;
  - (1)
  - (2)
  - (3)

8. To whom the resin was sold in the last three years and for what amount details with respect to each year should be stated:—

- (1)
- (2)
- (3)

9. Places where the resin will be stored temporarily till delivery to the nearest forest depot.

10. Year for which the registration is applied .....

Certified that I have read and understood the provisions of the Himachal Pradesh Resin and Resin Products (Regulation of Trade) Ordinance, 1981 and the rules made thereunder. All the details given above are correct to the best of my knowledge and I shall be able to produce evidence in this proof.

*Signature of the applicant.*

Place .....

Date .....

RESIN FORM 8

(See rule 15)

# CERTIFICATE OF REGISTRATION OF PRIVATE TAPPER AS REQUIRED UNDER SECTION 10

This is to certify that Shri.....  
son of ..... of village/town.....  
Police Station..... District.....  
Falling in Range..... of.....  
Division..... is a private tapper of Chil trees for resin  
tapping as per section 10 of Himachal Pradesh Resin and Resin Products  
(Regulation of Trade) Ordinance, 1981 and the rules made thereunder  
for the calendar year..... whose estimated annual production  
of resin in the private land detailed below is.....  
quintals. The registration will be valid upto.....(Date).

## Details of holdings

Khasra Nos.	No. of Chir trees fit for resin tapping	No. of resin channels
1.		
2.		
3.		
4.		
Total		

*Signature of the Divisional  
Forest Officer Division.  
Dated.....*

RESIN FORM 9  
[See rule 16(1)]

APPLICATION FOR REGISTRATION OF MANUFACTURER OF  
RESIN PRODUCTS, AS REQUIRED  
UNDER SECTION 10

1. Name, father's name and address of the applicant. If it is a registered firm or company, name of firm or company, registration number, year of registration, the name and address of person holding a power of attorney (a copy of power of attorney be enclosed).
2. Places of business location of the headquarters or head office, village or town, tehsil, police station, district.
3. Particulars of resin products manufactured annually:
  - (a) average quantity of resin products manufactured annually:
    - (1) Turpentine oil.....litres.
    - (2) Rosin .....quintals.
    - (3) Varnishes .....litres.
    - (4) Paints .....litres.
    - (5) Hardened resin..... quintals.
    - (6) Other Products.....quintals.
  - (b) Trade mark if any.
  - (c) Estimated annual requirement of crude resin for manufacturing of resin products....quintals.
  - (d) Names of places of godowns, where applicant's stock of crude resin is stored.....
  - (e) Manner in which the required stock is obtained.....
  - (f) Central or State excise or other registration number if any .....
4. Since when the applicant is manufacturing resin products.....
5. Quantity of resin in quintals for which registration is required.....
6. Year for which registration is required.....
7. Whether the applicant was previously registered and if so in what year and in which Division and for what quantity of resin in quintals.....
8. Any other information the application desires to give as an evidence that he is a bonafide manufacturer of resin products.....
9. Evidence of payment of registration fee
10. Names and addresses of two persons of status to whom references could be made for verification of details of the applicant.

(1)

(2)

Place.....

Date.....

*Signature of the applicant.*



RESIN FORM 10

[See rule 16(3)]

FORM OF REGISTRATION CERTIFICATE AS  
REQUIRED UNDER SECTION 10

Book No.....

Page No.....

This is to certify that Shri/Messrs .....  
son of..... of Village/Town/City  
..... Police Station/  
Patti..... Tehsil.....  
District..... has been registered for the  
year..... for the purpose of manufacturer of resin products  
as required under section 10 of the Himachal Pradesh Resin and Resin  
Products (Regulation of Trade) Ordinance, 1981 and the rules made  
thereunder.

Estimated quantity of Resin/Resin products is/or will be about.....  
..... quintals stored at one or more or all of the following places:

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

The registration is valid for one year upto..... (date).

Seal of office

*Signature of the Divisional Forest  
Officer.*

Dated.....

..... Division.

Copy forwarded to the Conservator of Forests..... Circle, Himachal  
Pradesh for information.

*Divisional Forest Officer,  
..... Division.*

By order,  
R. C. GUPTA,  
Secretary.

